

❀ ओ३म् ❀

1844  
18/11/20  
क्या मैं स्वस्थ हूँ ?

और स्वास्थ्य और दीर्घायुष्य  
का रहस्य

जिसको

अमृतधारा के आविष्कारकर्ता, देशोपकारक और  
वैद्यामृत वैद्यक पत्रों के सम्पादक आर तीन  
दर्जन वैद्यक पुस्तकों के रचयिता

कविविनोद वैद्यभूषण श्री पंडित  
ठाकुरदत्त शर्मा वद्य लाहौर  
ने लिखा

आर

‘देशोपकारक’ पुस्तकालय के कार्यकर्ताओं ने  
पञ्जाबी प्रेस में छपवाकर प्रकाशित किया

टाइटल पेज अमृत प्रैस अमृतधारा लाहौर म छपा ॥